संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 8 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 28 जुलाई 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

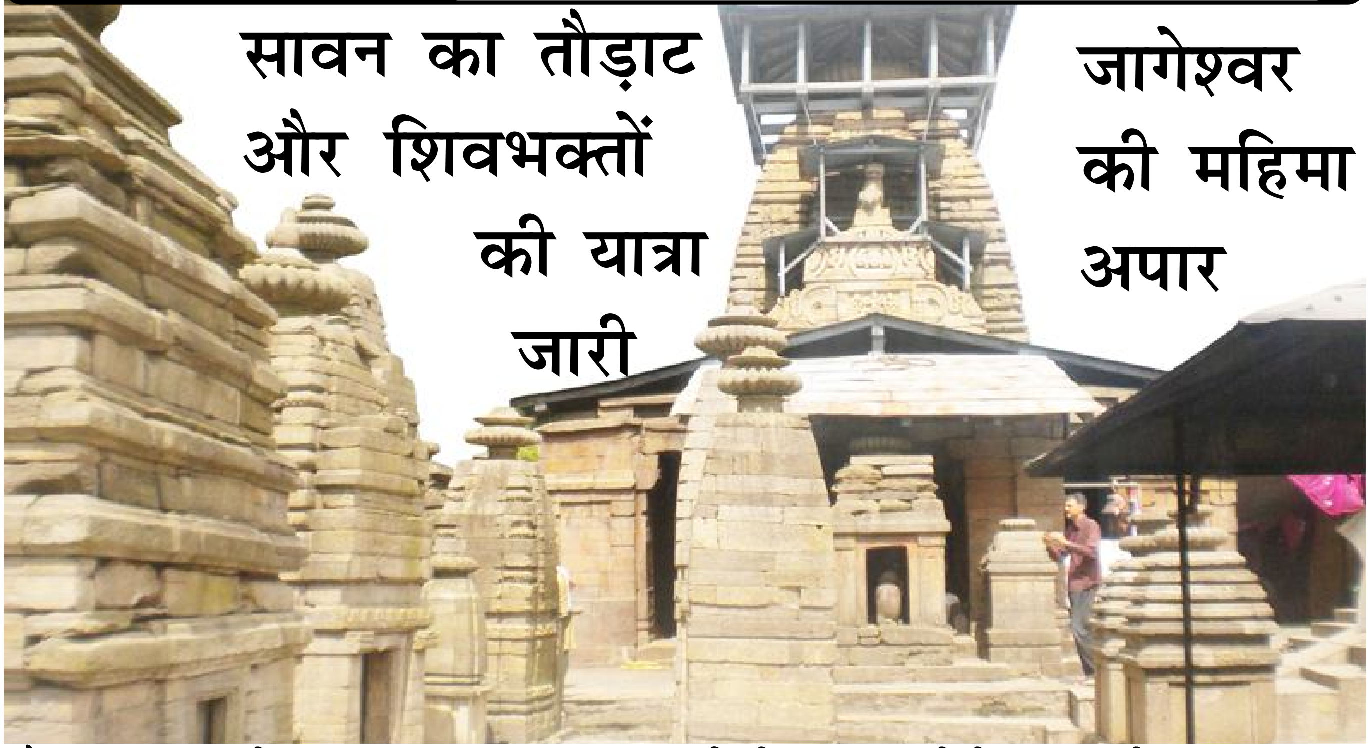

कैलास मानसरोवर यात्रा जारी, शिवालयों में तांता, हरेले का सन्देश हरियाली

भीमताल में हरेला मेला, नैनीताल में रुद्र पूजन, हरेले के साथ वृक्षारोपण

कार्यालय प्रतिनिधि

सावन की बरसात (तौड़ाट) में शिवभक्तों की यात्रा जारी है। विश्वप्रसिद्ध जागेश्वर धाम सहित तमाम शिवालयों भी भक्तों का तांता लगा हुआ है। जागेश्वर मेले में बाहर से आने वाले लोगों की भीड़ देखते हुए मन्दिर कमेटी और प्रशासन ने पहले से रणनीति बना ली थी। पहाड़ में मनाये जाने वाला हरेला त्यौहार परम्परागत रूप से घरों में मनाया गया और सार्वजनिक समारोह के रूप में हरियाली का सन्देश देते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

कैलास मानसरोवर यात्रा के लिये निर्धारित यात्री दल क्रमवार अपनी यात्रा में हैं। टनकपुर, धारचूला समेत ठहराव वाले स्थानों पर यात्रियों का जगह-जगह स्वागत किया गया। इसी प्रकार आदि कैलास ऊँ पर्वत दर्शन के लिये जाने वाले यात्री मौसम की परवाह बगैर दुर्गम में जाने को तैयार हैं।

भीमताल में होने वाला हरेला मेले में खासी भीड़ जुटी। नैनीताल में हैप्पीनेस वुमेंस कालेक्टिव ग्रुप आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा गोवर्धन कीर्तन हॉल में भव्य रुद्र पूजा का आयोजन किया। हल्द्वानी में पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच ने भी हरेले मेले का आयोजन किया। लोहाघाट में बिंडतिवारी के दिगालीचौड़ में दो दिनी हरेला मेला मनाया गया। जहाँ ब्रह्म देव का डोला मन्दिर में लाया गया और रात्रि जागरण हुआ। हरेला पर्व पर सरकारी आयोजनों की भी धूम रही। जिला प्रशासन व वन विभाग की ओर से वृक्षारोपण किये गये।

भारत के मीलपत्थर

अम्बा का दुर्धर्ष और अपराजेय संकल्प

सूर्यकान्त बाली

क्या अम्बा कुरुवंश को कुलवधू माना जाए? एक हिसाब से 'हाँ' तो एक हिसाब से 'नहीं' हालाँकि 'हाँ' वाला हिसाब कोई बहुत ज्यादा वजनदार नहीं लगता। बेशक महाभारतकाल के करीब दो-सवा दो सौ वर्ष पूर्व विवाह सूक्त की रचना कर सवित ऋषि के बेटी सूर्या सावित्री ने विवाह के उस रूप की शुरुआत कर दी थी, जो रूप हम भारतीयों के समाज में आज तक चला आ रहा है। पर चूँकि हर अच्छी परम्परा को लोगों के बीच जड़ पकड़ने में थोड़ा वक्त लगता ही है, इसलिए आज प्रचलित, पर आज से करीब सवा पाँच हजार वर्ष पूर्व शुरू की गई विवाह प्रथा को भी लोगों के बीच स्वीकार्यता मिलने में कुछ समय, यानी पाँच-छह सदियाँ तो लग ही गई होंगी। अत: महाभारत के समय यदि शर्तों के आधार पर होने वाली शादियों की प्राचीन काल से चलती आ रही प्रथा चलन में रही तो क्या आश्चर्य?

इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं था कि काशिराज ने अपनी तीन बेटियों- अम्बा, अम्बिका और अम्बालिका की शादी के लिए शर्त रख दी कि जो सबसे अधिक बलवान हो, वह उसकी बेटियों का हरण कर के ले जाए। जरा सोचिए कि तब का वह हमारा समाज कैसा रहा होगा, जब लड़कियों को वीर्यशुल्का बना दिया गया-यानी अपनी ताकत की कीमत अदा करिए और शादी लायक साबित होकर लड़की को ले जाइए, चाहे तो हरण कर लीजिए। ये वही दिन थे जब कृष्ण ने बलराम के विरोध के बावजूद अर्जुन को उकसाया था कि वह उनकी बहन सुभद्रा का हरण, हरण ही नहीं, बल्कि उस मामले में तो अपहरण करके ले जाए। करीब-करीब उसी तर्ज पर काशिराज ने राजाओं को अपनी तीनों लड़कियों के हरण के लिए न्यौता दिया और शर्त लगा दी कि जो सर्वाधिक शक्तिशाली हो, वह उनका हरण करके ले जाए। जाहिर है कि विवाहेच्छुक राजाओं के हुजूम में वही इन तीन लड़कियों के हरण की जुर्रत कर सकता था, जो सबसे ज्यादा शक्तिशाली होता।

तो उस समय के सबसे शक्तिशाली योद्धा भीष्म ने इन तीनों का हरण कर लिया। भीष्म ने तो आजीवन ब्रह्मचारी रहने का व्रत अपने पिता शान्तनु के सामने लिया था, इसलिए अपने लिए तो वे इन तीनों कन्याओं का हरण करके लाए नहीं थे। वे अपनी माँ (शान्तनु की दूसरी पत्नी) सत्यवती के पुत्र विचित्रवीर्य के साथ विवाह करवाने के इरादे से उन कन्याओं का हरण करके लाए थे। अम्बा भी इन तीन कन्याओं में से एक थी। उसका हरण भी विचित्रवीर्य से विवाह के लिए किया गया था। हरण के बाद वह कुरु राजप्रासाद में लाई ही गई थी। तो क्या इसी आधार पर अम्बा को, अपनी बहनों अम्बिका और अम्बालिका की तरह कुरुवंश की कुलवधू मान लिया जाए? मान भी सकते हैं, पर यह तर्क चूँकि कोई वजनदार नहीं है, इसलिए वैसा नहीं भी मान सकते। हम जानते हैं कि अम्बा का विवाह विचित्रवीर्य से नहीं हुआ था।

इसलिए कुरुवंश की कुलवधू मानें तो भी और अगर न मानें तो भी इसमें कोई सन्देश नहीं है कि अम्बा अपने युग की एक बहुत ही तेजस्वी नारी थी और उसकी गणना उस समय की दूसरी चार तेजस्वी महिलाओं-सत्यवती, गान्धारी, कुन्ती और द्रौपदी के साथ ही की जा सकती है। चूँकि शेष चारों महिलाएँ कुरुवंश की पुत्रवधुएँ हैं इसलिए लालच हो सकता है कि इनके साथ्र अम्बा को भी कुरुवंश की पुत्रवधू मान लिया जाए। पर अगर वैसा मान लिया तो अम्बा से वास्तव में अन्याय हो जाएगा। जिस आधार पर वह अपने समय के महा पराक्रमी नायक भीष्म को बार-बार चुनौती दे रही थी, उसे देखते हुए अम्बा को कुरुवंश की कुलवधू भला क्यों माना जाए? अगर उसने कुरुवंश की कुलवधू कहलवाया जाना स्वीकार कर लिया होता तो उसके जीवन में वह अद्भुत घटनाचक्र घटता ही नहीं, जिस घटनाचक्र के कारण अम्बा को अम्बा कहा जाता है। अम्बा शाल्व से प्रेम करती थी। मन ही मन उसे अपना पति मान चुकी थी। भीष्म द्वारा हरण किए जाने के बादर कुरु राजप्रासाद में पहुंचते ही अम्बा ने स्पष्ट कर दिया कि वह शाल्वा से प्रेम करती है और भीष्म द्वारा सभी राजाओं को हराकर हरण करने की उसके पिता की शर्त पूरी करने के बावजूद वह विचित्रवीर्य से विवाह नहीं कर सकती। भीष्म को अम्बा का हृदय सम्बन्ध समझने में देर नहीं लगी और उन्होंने उसे शाल्व के पास भिजवा दिया। शाल्व ने अम्बा को यह कहकर अपनाने से इनकार कर दिया कि वह भीष्म से युद्ध में पराजित होकर अम्बा को हार चुका है और अम्बा को निराश भीष्म के पास लौट आना पड़ा। उसने भीष्म से विवाह का आग्रह किया तो भीष्म का अपना तर्क था कि वे तो आजन्म ब्रह्मचारी रहने की प्रतिज्ञा में बँधे हैं, विवाह कर नहीं सकते। परिणाम? अम्बा हर ओर से दूर हटकर या हटाई जाकर अकेली, अपमानित हो गई।

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

शुभांशु की उड़ान युवाओं के सपनों को और पंख लगाएगी

अन्तरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर उनके 18 दिवसीय ऐतिहासिक मिशन के सफल समापन पर बधाई देने के लिये केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने एक संकल्प पारित किया और कहा कि इस देश के अन्तरिक्ष कार्यक्रम में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में में हुई बैठक में पारित प्रस्ताव में शुक्ला की अन्तरिक्ष यात्रा को पूरे देश के लिए गर्व, गौरव और खुशी का क्षत बताया गया। इसमें कहा गया कि इस यात्रा ने भारत की असीम आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व किया।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु की पृथ्वी पर वापसी का जश्न मानने के लिये भारतीय वायुसेना सहित सभी जुटे। अन्तरिक्ष पर जाने और उनकी वापसी तक के हर पल को देश-दुनिया बराबर देख रही थी। वाकेई शुभांशु की उड़ान युवाओं के सपनों को और पंख लगाएगी।

हर युवा अपने जीवन में उड़ान चाहता है और उसकी चाह होती है कि उसे वांछित फल प्राप्ति हो। यदि हम लक्ष्य साधने के लिये दृढ़ हैं तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होती है। इसके अलावा भाग्य भी साथ दे तो सफलता का प्रतिफल जल्द मिलता है। कैप्टन शुभांशु को जो सौभाग्य मिला है वह लाखों में से किसी एक को मिल पाता है, इसके लिये उनकी दृढ़ता और भाग्य का योग साथ है। दुनिया के दो-चार बड़े देश जिस प्रकार से अपने अभियानों में सफलता प्राप्त करते रहे हैं, भारत भी सोच सकता है वह पीछे क्यों रहे? बस यही सोच यदि युवा के भीतर है तो वह अपनी चाह पूरी कर सकता है। किसी भी लक्ष्य को भेदने के लिये युवा को जागृत रहना चाहिये। कैप्टन शुभांशु का अन्तरिक्ष में जाना और वापस आना फिल्मी दृश्य की तरह आसान तो लग रहा है लेकिन इस पूरी तैयारी के पीछे बहुत बड़ा अभियान और उनकी साधना है। इससे बहुत से युवा सीख लेंगे।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अटकलों के आधार पर बदनाम न करें

मुम्बई। इण्डियन कॉमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन (आईसीपीए) ने कहा कि पिछले महीने दुर्घटनाग्रस्त हुए एआई 171 उड़ान के चालक दल ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने प्रशिक्षण और जिम्मेदारियों के अनुरूप काम किया। उन्हें अटकलों के आधार पर बदनाम नहीं किया जाना चाहिये।

अमेरिका में प्रवासी हिरासत केन्द्र बनेंगे

न्यूयॉर्क। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा है कि वह फ्लोरिडा के 'एलीगेट्र अल्काटाज' की तर्ज पर प्रवासी हिरासत केन्द्र स्थापित करने के लिये 5 राज्यों के साथ बातचीज कर रहे हैं।

कबाड़ व्यापरी की हत्या में 7 गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में एक कबाड़ व्यापारी की हत्या के सिलसिले में 7 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 9 जुलाई को हत्या के बाद हमलावरों के लाश पर नाचने के बाद मामला चर्चा में आया था। इस घटना से पूरे बांग्लादेश में भारी रोष फैला हुआ है।

तिब्बत से जुड़े मुद्दे कांटा : चीन

नई दिल्ली। चीनी दूतावास ने कहा है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी समेत तिब्बत से सम्बन्धित मुद्दे भारत-चीन द्विपक्षीय सम्बन्धों में कांटा हैं और वे नई दिल्ली के लिये एक बोझ बन गए हैं। यह टिप्पणी विदेश मंत्री एस. जयशंकर की शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन के लिए चीन यात्रा से पहले आई है।

विश्व के सबसे वृद्ध राष्ट्रपति फिर तैयार

याउंडे। कैमरून के 92 वर्षीय राष्ट्रपति पॉल बिया ने इस वर्ष 12 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में आठवीं बार चुनाव लड़ने की घोषणा की है। विश्व के सबसे वृद्ध राष्ट्रपति पॉल 43 साल से सत्ता में हैं। इन पर खराब प्रशासन और भ्रष्टाचार के कई आरोप भी हैं।

इमिग्रेशन कोर्ट के 17 न्यायाधीश बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन द्वारा आव्रजकों के बड़े पैमाने पर निर्वासन की प्रक्रिया को तेज किये जाने के बीच दस राज्यों की आव्रजन अदालतों के 17 न्यायाधीशों को बर्खास्त कर दिया है। आव्रजन न्यायालयों के न्यायाधीशों और अन्य पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन द इन्टरनेशनल फेडरेशन ऑफ प्रोफेशनल एण्ड टेक्निकल इंजीनियर्स ने कहा कि बिना बताए बर्खास्त किया है, जो जनहित के विरुद्ध है।

फसक

दाज्यू, परिणाम आने तक धकधकाट होने वाली ठैरी

खुसक गला कर नारे नहीं लगा सकते हैं बल

दाज्यू, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम को लेकर धक-धक होने लगी है। हमारा बिरजू ब्लाक आफिस के चक्कर काटने लगा है। का रहा था- 'प्रधान बन गया तो गाँव की रोड और यात्री विश्राम गृह बनवा देंगे।' दाज्यू, बिरजू के मन में बहुत कुछ है लेकिन क्या करें अपने गाँव में प्रधान बनने को 8 लोग चुनाव मैदान में खड़े हो गये। ऐसे में क्या पता कौन बाजी मार ले और आगे क्या होगा? वैसे भी चुनाव परिणाम आने तक धकधकाट होने वाली ठैरी। जिला पंचायत का चुनाव लड़ रहे खड़कू सिंह का समर्थक राधे बहुत परेशान है। कह रहा था- 'दिन भर नारे लगाने को कहा जा रहा है। आखिर लेबरी भी कितनी हो सकती है।' दाज्यू, खुसक गला कर नारे नहीं लग सकते हैं बल। बबलू का गला तरावट में है, भरी तो दिन रात भाषण नारे में लगा रहता है। सबका अपना-अपना जुगाड़ हुआ।

शिक्षा मंत्री धन सिंह ने बताया है कि आईआईएम काशीपुर में डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रबन्धन सीखेंगे। हमारी समझ में नहीं आ रहा है ये कैसा प्रबन्धन है जिसमें नाश्ता-पानी के बाद फिर वही होता दिखाई देता है जो चल रहा था। पिछली बार भी ऐसा ही कुछ हुआ था लेकिन बबली-गुड़िया, बीर सिंह और भुपन दा सब बराबर वैसे ही हैं। दाज्यू, प्रो. सुक्खा तो अपने को जन्मजात प्रबन्धन वाले बता रहा है। उन्होंने जैसे ही प्राचार्य की कुर्सी सम्भाली थी सारा रोकड़ा मिला डाला था बल। कालेज में चूना-पुताई से लेकर अन्य मदों के बिल सरपट निपटा दिये। लिखे-पढ़े ठैरे। ऐसे में किसका प्रबन्धन कैसा प्रबन्धन? ये तो तब ठीक होता जब प्राचार्य बनने से पहले ही इनको सिखाया जाता। बिना घिसावट के पद पाने वाले आम और अंगूर को एक ही भाव समझने वाले ठैरे। दाज्यू, पटरी पार वाले कालेज में गजब ही हो रहा है। प्रोफेसर ने ताकत की दवाईयां ऑनलाइन मंगवाई बल। कालेज की मेल में सन्देश देखकर सब हैरान थे कि प्रोफेसर कौन सी दवाईयां इस्तेमाल कर रहा है। दाज्यू, हमें मंगलू की याद आ गई वह चूरन चाटता रहता था और पकड़े जाने पर सोनीपत का हलवा बताया करता था। इस बीच नोपाल सीमा पर एमडीएमए ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री भी पकड़ी गई। दाज्यू, हमें तो बहुत खतरनाक खेल लग रहा है। नशा का कारोबार वाले कितनी दूर तक फैले हुए हैं। अब मामला पकड़ में आया है तो धकधक होने ही वाली ठैरी। काशीपुर में चरस के साथ दो युवक पकड़े गये। दाज्यू, हमें पूर्व प्रोफेसर गोल्डी की याद आ रही है वह भी काशीपुर में ही थे। आजकल उनका पुत्र रिक्कू संविदा प्रवक्ता के रूप में काम कर रहा है। रिक्कू की बातों में पाचन शक्ति बहुत है।

हरदा कह रहे हैं- 'कांग्रेस को मौका दीजिए, गैरसैंण को राजधानी बनाएंगे।' दाज्यू, जब जिसके हाथ डण्डा हो वह हांकने वाला ठैरा। हरदा भी...... ..ना। दाज्यू, सरकार ने 'ऑपरेशन कालनेमि' चला रखा है। इसमें फर्जी बाबाओं की पकड़ की जा रही है। अभियान चलता रहना चाहिये लेकिन क्या जो होगा? पाउडर-क्रीम लगाकर बहुत घूम रहे हैं। फरफराट बहुत हो रही है, किसका कौन क्या कर लेगा?

हरिद्वार में कांवड़ियों द्वारा चुटाचूट मची हुई है। जिधर देखो लट्ठ लेकर तोड़फोड़। पता नहीं कैसे भक्तगण सड़कों पर उतर चुके हैं। कौन भक्त है कौन सन्त, कौन नेता है और कौन डकैत कैसे पता करें। भेष बदलकर सब नाचने लगे हैं। कुछ कहने लायक नहीं रहा। दाज्यू, बाजपुर के ग्राम इटव्वा में में पुत्रवधू ने पिस्टल से सास पर हमला कर दिया। सास की टांग में छर्रे लगने से वह गम्भीर रूप से घायल हो गई। बहू पहले अपने देवर को पीट ही थी बल। जब सास ने विरोध किया तो उसपर हमला हो गया। सब जगह धुंआधार मची है। रानीखेत कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान धारचूला निवासी दो युवकों को 43 किलो चरस के साथ पकड़ लिया। पकड़े गये छात्र पॉलीटेक्निक और बीफार्मा के हैं।

दाज्यू, सरकार भ्रष्टाचार पर सख्त होने की बात कह रही है और विजिलेंस को कार्रवाई की खुल छूट दे दी है। छूट तो पहले भी होती होगी? पता नहीं क्या हो रहा होगा। 31 जुलाई से पहले जमकर तबादले होने हैं बल। एक विभाग में वर्षों से जमे अफसर कर्मचारी इधर-उधर करने हैं। अपना सुरताल सिंह भी बेचैन है। कह रहा था- 'मैडम ने उधेड़ कर रख दिया है। बहुत सेवा की थी लेकिन पगलट है।' दाज्यू, पता नहीं किसका तबादला होगा किसका नहीं। जब तक परिणाम न आ जाए, धकधकाट होने ही वाली ठैरी।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

इटावा में केदारनाथ मन्दिर की प्रतिकृति बनाने से तीर्थ पुरोहित नाराज

रुद्रप्रयाग। उत्तर प्रदेश के इटावा में केदारनाथ मन्दिर की प्रतिकृति बनाए जाने से प्रदेश के तीर्थ पुरोहित नाराज हैं। बदरी-केदार धाम के तीर्थ पुरोहितों ने भारी रोष जताते हुए इससे धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ और मन्दिरों की अस्मिता व परम्परा पर चोट बताया है। उन्होंने मन्दिर के निर्माण पर रोक लगाने और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने श्रावण के पहले सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर इटावा के एक मन्दिर का वीडियो साझा किया जो केदारनाथ मन्दिर का नाम केदारेश्वर जैसा दिखता है। वीडियो में मन्दिर का नाम केदारेश्वर बताया गया है। इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। वीडियो में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मन्दिर में पूजा-अर्चना करते दिख रहे हैं। मन्दिर परिसर में दुकानें भी सजाई गई हैं। सपा नेता के वीडियो प्रसारित करने के बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया। तीर्थ पुरोहितों समेत उत्तराखण्ड के कई धार्मिक संगठन और स्थानीय निवासी इस निर्माण की आलोचना कर रहे हैं।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति के अध्यक्ष हेमन्त द्विवेदी ने इटावा में केदारनाथ धाम की प्रतिकृति के निर्माण का विरोध करते हुए कहा कि इस मामले में विधिक राय ली जा रही है। इस पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि दिल्ली में ऐसे विवाद के के बाद केबिनेट में सरकार कड़ा प्रस्ताव लाई थी

मुनस्यारी में जाँच टीम ने दर्ज किये बयान

मुनस्यारी। धापा की कुन्ती देवी और उनकी पोती दीया का स्वास्थ्य खराब होने पर चिकित्सा उपचार में ढिलाई पर क्षेत्रवासियों ने रोष जताया है। मामले को देखने आई जाँच टीम के सम्मुख लोगों ने अपने बयान दर्ज करते हुए कहा कि मानते हैं कि जंगली मशरुम खाने से स्वास्थ्य बिगड़ा लेकिन हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था इतनी लापरवाह हो चुकी है कि लोग मौत के मुंह जा रहे हैं। कहा कि निष्पक्ष जाँच नहीं हुई तो मुख्यमंत्री के पास जाएंगे। जाँच दल द्वारा बन्द कमरे में लिये जा रहे बयान पर जगत सिंह मर्तोलिया, श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, केदार मर्तोलिया ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना को गुपचुप नहीं किया जा सकता। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

विलुप्त हो रही बोली बचाने का प्रयास

सौका संस्कृति तब बचुल जब सौकि बोलि बचुल

गजेन्द्र सिंह पांगती

सौका संस्कृति तब बचुल जब सौकि बोलि बचुल। आब जब यु बोलि केवल मुनस्यारीक कुछ गों वालान तके सीमित रेगे और आज-भोलक नाक-तिनान बौलौलनत अलग योहें समजन तक नैछन जबत यु बोलि बचुलत कसके बचुल। य्ये सोचि ब्यर जरूरी समजी गे कि पेंलि योग एक शब्दकोश बनाई जौ। काम भोते कठिन छि पर कन जरूरी छि। मेल हिम्मत केब्यर चार साल मा तीन सब्दकोश बनै 1. अंग्रेजी, हिन्दी शौका शबदकोश, 2. शौकी शब्दकोश और 3. शौकी शब्दकोश Website जु livingdictonaaries.app/shauki नाम पर हासिल छ। फिरि यु सौकि आखर त्यखनक जरूरत केकि परि। जु तीन सब्सकोसनक जिगर हेरे उनि मा द्वी लिखित सब्दकोसन मा 40000 और 19000 आखर हनल उ साथ राखन मा सहूलियत नैछ और 35000 आखरक वेबसाइट मा आखरत सब मिलुल लेकिन वनर बिबेचना कन और ओक आधार पर सब्द रचना समजन, आबन बोलीक प्रवृति और प्रकृतीक अनुसार उनि मा सुधार कन और नाय सब्द अपनौन और बनौन आसान नि होल। हामर बोलि मा ज्यादेतर सब्द दोहार बोलिनबि ऐरे। उनि मा जु सब्द हामर बोलीक प्रकृतीक अनुसार छि हामर पुरखनल उनि थे जसे छि वसे अपनै। इहमि सब्द उर्दूक और राजस्थानीक ज्यादे छन। होर बोलिरम, खासकर हिन्दी और कुमाउनीक, सब्दन थे अपनौन भे पेंलि उनील सब्दक मात्रा बदलि, नाय मात्रा लागै या फिरि नाय अक्षर जोरि। यदि हैमि आबन बोलि बचौन चैनु और बोलि थे भासा मा बदलन चैनु जबत हैमि थे यु रिवाज जारी राखन परुल। योक लीजे एकजस सब आखरन एक दाकार

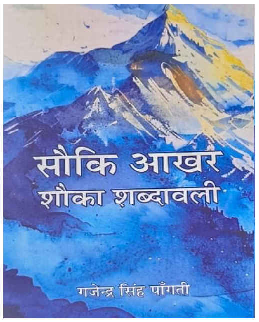

और एक नजर मा हासिल जन जरूरी छ। यु केवल एक हैंडबुक मा हे सकन। य्ये कारनल मेल यु सौकि आखर त्यखनक काम हाथ मा ल्ही। योक उपयोग कसके होल और यु कदिक उपयोगी होल उ यु बात पर निरभर होल कि हैमि आबन बोलि बचौन मा कदिक सीरियस छुं।

सौकि आखर त्यखनक एक और जरूरी कारन छ। हामर बोलि केवल बौलै ब्यरे नि बचुल। योहें बचौनेकिनि हैमिथे योक भासाईकरन ले कन होल और यु मा रचना साहित्य लेकि त्यखन परुल। योक लीजे सब्दनक मानकीकरण कन परुल। हामर बोलि मा विहमि सब्दनक भरमार छ जोक द्वी द्वी उच्चारन छ। हैमि क्वे सब्दन थे द्वी अलग अलग मात्रा लैब्यर और क्वे सब्दन मा द्वी अलग अलग अक्षर लैब्यर द्वी ढंगल बौलौनु। यदि हैमि आबन बोलि थे भासा बनौन चैनु तो हैमि थे सबनक सबनक मंजूरील विहमि सब्दनक केवल एक रूप अपनौन परुल। योक लीजे यु सौकि आखर त्यखन जरूरी छि। यु मा मेल द्वी किसमक उच्चारक उच्चारन वाल आखर एक्के पैलि/जाग दीरछुं। एक्के आखरक द्वी या द्वी भे बैंकि अर्थ वाल आखरनथे केवल एक्के पैलि लेखि रछुं ये आस मा कि पाठक खुदे वनर अलग अलग अर्थ सब्दकोस मा ढुंडल या जानकारनथे बि पुछल। लेकिन अपवाद स्वरूप इहमि कुछ आखरनथे अर्थ मा फरकक साथ द्वी बार दीदछुं ताकि पाठक के दुबिधा नि हो। कुछ मामुल मा परयायवाची सब्दनाथे ले दाकारै दीरछुं ताकि आखरनक फरक और अर्थ साफ हे जौ।

रंकस कसके सूकि खून बनि और सूकि खून कसके सौकि बोलि बनि, सौकि बोलीक प्रकृति और प्रवृति कि छ, होर बोलिनभे युमा कि फरक छ, माहें सब्दकोस त्यखन मा कोक मदद मिलि आदि सब मेल सब्दकोसनक प्रस्तावना मा दी रछुं और और वाहें नि दौहरैब्यर मे पाठकनथे केवल यु बतौन चैंछु कि यु सौकि आखर म्यर पेंलि त्यख्यूं तीन सब्दकोसन पर आधारित छ। लेकिन यु वनर नकल ले निहे। यु मा मेल केवल मूल/असल सौकि आखर दीरछुं। एक हे बैंकि अर्थ वाल आखर आम तौर पर एक्के पैलि दीरछुं ताकि पाठक खुद वनर अलग अलग अर्थ निकालनक और समजनक कोसिस को और ओक त्याहैलि सब्दकोस औ/या बेवसाइट मा जौ। लेकिन विहमि कुछ सब्दन थे, जोक द्वी अर्थ आसानील मालूम नि हो, पाठकनक सुबिधाक लीजे अलग अलग केब्यर दी रछुं।

मे आबन मेहनत थे सफल समजूंल यदि यु मा आयूं आखरन थे चैब्यर पाठक सब्दकोस या/ओक वेबसाइट मा जैब्यर वनर अर्थ चैल और समजुल यानि यु सौकि बोलि जानन और समजन मा एक उतपरेरकक काम कोल। माहें पुर आस छ कि योक आधार पर भावी पीढ़ी सौकि बोलीक मानकीकरण कन मा सफल होल और मानकीकृत उ बोलि थे भाषा बनैब्यर उ मा हर परकारक रचना साहित्य लेखिब्यर सौक बोलि थे महेसा किनि बचौल।

पहाड़ी झोड़ा

यो कैले दयाना सौजन का फुना,
यो कैले दयाना सौजन का फुना,
मैं गयुं मैता सौजन का फुना,
ईजा ले दयाना सौजन का फुना,
ईजा ले दयाना सौजन का फुना,
जो तेरी ईजा, ऊ मेरी सासू
नी दिया कौनी, सौजन का फुना
यो कैले दयाना सौजन का फुना,
बौज्यू लै दयाना सौजन का फुना,
मैं गयुं मैता सौजन का फुना,
बौज्यू लै दयाना सौजन का फुना,
जो तेरा बौज्यू, ऊ मेरा सौरजू
नी दिया कौनी, सौजन का फुना
यो कैले दयाना सौजन का फुना,
मैं गयूं मैता सौजन का फुना,
दाज्यू लै दयाना सौजन का फुना,
जो तेरा दाज्यू, ऊ मेरा जेठू
नी दिया कौनी, सौजन का फुना
यो कैले दयाना सौजन का फुना,
यो कैले दयाना सौजन का फुना!!

(यो पिठौरागढ़ जिल्ल में गाई जनैर बहुत पुराण गीत छ्, यो गीत मैल वर्ष 1960 आस पास सुनौ छी।)

-नन्दाबल्लभ पाण्डे
ज्योलीकोट, नैनीताल

श्रद्धांजलि : नरेन्द्र रौतेला अब यादों में रहेंगे

रानीखेत। राज्य आन्दोलनकारी, पूर्व दर्जा राज्यमंत्री, पत्रकार नरेन्द्र सिंह रौतेला का 19 जुलाई 25 को दिल्ली के अस्पताल में निधन हो गया। ब्रेन हेमरेज होने के बाद उन्हें दिल्ली ले जाया गया था। अपने छात्र जीवन से ही वे जन आन्दोलनों से जुड़ गये थे और पर्वतीय राज्यों में स्वास्थ्य व शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर आन्दोलन का हिस्सा बने। पिघलता हिमालय परिवार स्व.रौतेला को श्रद्धांजलि अर्पित करता है

ज्योतिष की बातें- 239

28 जुलाई 2025 को मंगल मित्रराशि से निकलकर शत्रुराशि कन्या में प्रवेश करेगा, जहाँ पर शनि की पापदृष्टि भी होगी। इस कारण मंगल अत्यन्त निर्बल रहेगा। फिर भी अगले 47 दिन मंगल पराक्रम, खेलकूद, भवन, वाहन आदि अपने कारक विषयों में सिंह, कर्क, मेष व वृश्चिक राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

नागपंचमी- श्रावण शुक्लपक्ष की षष्ठीयुता पंचमी तिथि को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार 29 जुलाम्र 2025 को नागपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। श्री मद्भागवत्पुराण के अनुसार इसी दिन ब्रह्मा जी ने नागों को यह वरदान दिया था कि जन्मेजय के नागयज्ञ में आस्तीक मुनि तुम्हारी रक्षा करेंगे और इसी दिन आस्तीक मुनि ने नागों की रक्षा की थी। इस दिन नवनागस्तोत्र्म् आदि का पाठ करना चाहिये।

शुभं भवतु !! **-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 129

संचार माध्यम और झूठ का प्रसार

इजराइल ईरान युद्ध के समय संचार माध्यमों के द्वारा मीडिया में जो युद्ध की भयंकरता के वीडियो वायरल किए गए थे वे वास्तव में 8-10 साल पुराने या तो किसी पिक्चर के दृश्य थे अथवा किसी अन्य घटना के दृश्य थे। भारत पाकिस्तान युद्ध मे मीडिया ने खूब शोर मचाया कि भारत ने पाकिस्तान के कराची, अमृतसर, लाहौर आदि शहरों पर कब्जा कर लिया आदि। लेकिन ये सभी खबरें झूठी साबित हुई। एक समाचार था कि इजराइल के सिपाही ने ईरान से रोते हुए युद्ध रोकने की अपील की। यह सीन वास्तव में एआई की मदद से बनाया गया था। एक समाचार था कि 70 साल के बुजुर्ग ने अपनी ही पोती से शादी की। यह अत्यन्त झूठा समाचार था क्योंकि वह दादा पोती नहीं थे। एक समाचार था कि बांग्लादेश में एक हिन्दू शिक्षक को पहनाई गई चप्पलों की माला। फैक्ट चेक करने पर पता चला कि वह हिन्दू शिक्षक नहीं था बल्कि बांग्लादेश का एक रिटायर्ड मुस्लिम पुलिस अधिकारी अहमद अली था। जगन्नाथ रथ के नीचे एक महिला ने बड़ी नमाज इस झूठे समाचार में न तो वह महिला मुसलमान थी और न ही उसने नमाज पढ़ी थी। अभी एक समाचार फैला कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर साजिशन बिछाए गए कांच के टुकड़े। फैक्ट चैक करने पर पता चला कि इसमें कोई साजिश नहीं थी बल्कि एक दुर्घटना में गाड़ी के शीशे के कांच के टुकड़े दूर तक फैल गए थे।

इस प्रकार के सैकड़ो, हजारों समाचार संचार माध्यमों के द्वारा, नामी अखबारों के द्वारा, बड़े-बड़े नेताओं के द्वारा समाज में अव्यवस्था व विद्वेष फैलाने के लिए ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से वायरल कर दिए जाते हैं।

अतः मेरे विचार से किसी भी समाचार को सही मानने के पहले अन्य किसी प्रामाणिक माध्यम के द्वारा एक बार सत्यापित अवश्य कर लेना चाहिए।

-ओंकार नाथ कोष्टा

उत्तराखण्ड निवेश उत्सव में गृहमंत्री शाह

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड निवेश उत्सव में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारते हुए कहा कि विकसित उत्तराखण्ड के बिना भारत का विकास सम्भव नहीं। इस अवसर पर बाबा रामदेव, सीएम पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे।

वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान का नया शोध

पूर्वी हिमालय की आयु का आंकलन कि यह 85 मिलियन वर्ष पुराना है

देहरादून। वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने अपने नवीनतम शोध में पूर्वी हिमालय की आयु का आंकलन कर इसे 85 मिलियन वर्ष तक पुराना माना है।

यह शोध बताता है कि लोहित प्लूटोम ग्रेनाइट एक लम्बी भू-वैज्ञानिक अवधि में करीब 159-70 मिलियन वर्ष्र पूर्व बने थे। यह घटना लोहित और दिबांग घाटी के ऐसे सक्रिय क्षेत्र में हुई, जहाँ पृथ्वी की एक टेक्टोनिक प्लेट दूसरे के नीचे धंस रही थी। पिघली हुई चट्टान मूल रूप से बेसल्टिक थी। जिसका निर्माण पृथ्वी की गहराई में हुआ। यह गर्म पिघला हुआ पदार्थ ठण्ड से ठोस हो गया, आज जिसे हम ग्रेनाइट रूप में देखते हैं। अत्यधिक दबाव और तापमान से ग्रेनाइट चट्टानों का यह स्वरूप हुआ।

अभी तक के शोध में हिमालय की आयु अधिकतम 20 मिलियन वर्ष आंकी जाती रही थी। नवीनतम शोध पूर्वोत्तर भारत के लोहित और दिबांग घाटी क्षेत्र के सुदूर पूर्वी अरुणांचल हिमालय में पाए जाने वाले ग्रेनाइट और मिम्माटाइट चट्टानों पर किया गया। वाडिया के वैज्ञानिक विकास अदलखा, कुणाल मुखर्जी और अन्य वैज्ञानिकों का यह शोध लन्दन से प्रकाशित जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसाइटी के ताजा अंक में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार लगभग 200 मिलियन वर्ष पहले सेनोजोइक युग के दौरान हिमालयी पट्टी के निर्माण की प्रक्रिया टेथिस महासागर में भारतीय और एशियाई टेक्टोनिक प्लेटों में टकराव से शुरू हुई। भारतीय प्लेट अफ्रीकी प्लेट से अलग होकर एशियाई प्लेट की ओर बढ़ने लगी। भारतीय प्लेट के उत्तर की ओर बढ़ने और एशियाई प्लेट के नीचे भारतीय महासागरीय स्थल मण्डल में हलचल से टेथियन महासागर का मार्ग बन्द हो गया। टेथियन महासागर लिथोस्फोयर सबडक्शन की शुरूआत 150 मिलियन वर्ष पहले हुई। भारतीय और एशियाई प्लेट टकराव एक जटिल और गतिशील भूवैज्ञानिक प्रक्रिया थी। इस नवीनतम शोध में कहा गया है कि हिमालय की पपड़ी के मोटे होने और उत्थान की शुरूआत करीब 85 मिलियन वर्ष पहले हुई।

इस शोध से जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विकास अदलखा कहते हैं कि यह अध्ययन पहली बार रिपोर्ट करता है कि मिम्माटाइजेशन भारतीय और एशियाई प्लेट के महाद्वीपीय टकराव से पहले हुआ था। वाडिया हिमालय भू विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. विकास कहते हैं कि अध्ययन साबित करता है कि हिमालयी इलाके में क्रस्टल का मोटा होनो और उत्थान 85-86 मिलियन वर्ष पहले शुरू हुआ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रामनगर शहर से बाहर होंगे बसअड्डे

रामनगर। शहर में काशीपुर, हल्द्वानी, केएमयू व जेएमयू समेत करीब 5 से अधिक प्राइवेट बस अड्डों को शहर से बाहर करने की तैयारी है। इसके लिये नगर पालिका ने करीब दो हेक्टेयर भूमि पर पार्किंग निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। शहर में अक्सर जाम को देखते हुए हल्द्वानी बाईपास पुल से लगी नगर पालिका की दो हेक्टेयर भूमि पर पार्किंग का निर्माण कार्य भी पूरा हो चुका है।

बार संघ के पदाधिकारियों ने शपथ ली

अल्मोड़ा। जिला बार संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। बार संघ अध्यक्ष मोचन हन चन्द्र भट्ट सहित संघ के 5 नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पद व गोपनीयता की शपद लेते हुए अधिवक्ताओं के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ने का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद अजय टम्टा और जिला जज शंकर राज थे।

विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पेश करें

नैनीताल। हाईकोर्ट ने काण्डा क्षेत्र सहित पूरे बागेश्वर जिले में खड़िया खनन से घरों में आई दरारों के मामले में स्वत: संज्ञान लेती जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विवरण पेश करने के निर्देश दिये हैं। खदानों के आसपास मशीनों के सील खोलने के मामले में न्याय मित्र दुष्यन्त मैनाली से आपत्ति दाखिल करने को कहा है।

क्लस्टर विद्यालय का विरोध प्रदर्शन

पिथौरागढ़। जीजीआईसी कनालीछीना का कलस्टर विद्यालय में समायोजन करने के विरोध में छात्राओं ने पढ़ाई छोड़कर अभिभावकों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर कहा कि विकासखण्ड मुख्यालय का एकमात्र बालिका इण्टर कालेज यदि बन्द हुआ तो वे अन्य विद्यालयों में पढ़ने नहीं जाएंगे।

गंगोलीहाट में भी हो रहा है विरोध

गंगोलीहाट। जीआईसी डोबालखेत को क्लस्टर विद्यालय में समायोजित करने के विरोध में विद्यार्थियों व अभिभावकों ने जोरदार धरना प्रदर्शन करते हुए कहा कि वे किसी भी कीमत पर अपने विद्यालय को बन्द नहीं होने देंगे।

मवानी दवानी में भी क्लस्टर का विरोध

मदकोट। जीआईसी मवानी दवानी का क्लस्टर विद्यालय जीआईसी मदकोट में समायोजन करने से क्षेत्रवासी भड़क चुके हैं। प्रदर्शन करते हुए कहा कि मवानी दवानी जीआई में 206 विद्यार्थी हैं और ऐसे फरमान निकालना अन्याय होगा।

भारी बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त

चम्पावत में 46 नए डेंजर जोन चिन्हित

क्वीरीबाड़ पर अस्थायी पुलिया बही

हल्द्वानी की कॉलोनियां जलमग्न

चम्पावत शहर की सड़के बनी तालाब

बरसात के इन दिनों में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है। भूस्खलन और बोल्डर गिरने से पर्वतीय मार्गों में खतरा बना हुआ है और शहरों में जल भराव की समस्या है।

भारी बारिश से लोहाघाट-पिथौरागढ़ एनएच पर बाराकोट के पास मलबा आने से यातायात बाधित हो रहा है। सन्तोला और च्यूरानी के पास पत्थर मलबा गिरने बीच-बीच में मार्ग बाधित हो रहा है। टनकपुर से लोहाघाट तक 75 किमी क्षेत्रम्` करीब 46 नए डेंजर जोन एनएच ने चिन्हित किये हैं। इनके ट्रीटमेंट का काम किया जा रहा है।

सीमान्त के दूरस्थ ग्राम क्वीरीजीमिया और साईपोलू को जोड़ने वाली क्वीरीबाड़ की अस्थायी लकड़ी की पुलिया भारी बारिश में बह गई। ऐसे में ग्रामीणों को किसी कार्य के लिये आने-जाने में 12 किमी अतिरिक्त चलना पड़ रहा है। क्वीरीगाड़ नदी सिदामधार पर्वत के तऊदी ग्लेशियर से निकलती है और जिमिघाट के पास गोरी नदी में मिल जाती है। इसका जलस्तर कब अचानक बढ़ जाएगा यह कहना मुश्किल है।

धारचूला-गुंजी सड़क पर मलबा आने से यातायात की गति धीमी हो चुकी है। दारमा, ब्यास और चौंदास घाटी को आवाजाही करने वाले वाहन और यात्रियों के फंसे होने पर बीआरओ द्वारा बोल्डर मलबा हटाकर बार-बार मार्ग खोलकर व्यवस्था बनाई जा रही है। ऐसे में स्थानीय लोगों को भी जरूरी सामान के लिये भटकना पड़ रहा है।

शहरों में जलभराव की दिक्कत बनी हुई है। बड़े शहरों का सा विस्तार पा चुके हल्द्वानी की नई पुरानी कॉलोनियां जलमग्न हैं। इससे ड्रेनेज सिस्टम की पोल खुल चुकी है। रामबाग कॉलोनी में जलभराव से कैंसर अस्पताल से हीरानगर तक प्रभाव होता दिखाई दे रहा है।

बरसात में पर्वतीय शहर चम्पावत की सड़कें तालाब बनती दिखाई दे रही हैं। थोड़ी देर की बरसात में भी शहर का जलमग्न होना बता रहा है कि नालियां व बहाव जगह कचरे से पटी हैं। जिले का टनकपुर शहर भी जलभराव से परेशान है। समुचित निकासी व्यवस्था न होने से जल भराव की समस्या बढ़ती जा रही है। किरोड़ा नाले के उफान में आने से ककरालीगेट, आमबाग, बोहरागोठ, घसियारामण्डी में जल भराव हो रहा है।

चुनाव जोर, अनुमति, पार्टी से बाहर

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का जोर चल रहा है और सबकी निगाह उन बड़े दमदार प्रत्याशियों पर है जो धनबल और पार्टी के टिकट पर टिके हैं। दो चरणों के मतदान से पहले जिन स्थानों पर निर्विरोध प्रधान, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्य चुने गये हैं वहाँ जीत की खुशी मनाई जा रही है लेकिन जिन स्थानों पर टिकट न मिलने से बगावत के सुर थे वहाँ पार्टी एक्शन में है और कुछ मामलों में न्यायालय ने चुनाव लड़ने की अनुमति देकर चुनाव गणित बदल दिया है। हाईकोर्ट ने डीडीहाट से जिपं सदस्य का चुनाव मामले पर निर्णय लेते हुए पूछा कि नरेन्द्र सिंह देऊपा चुनाव लड़ना चाह रहे थे, नामांक किस आधार पर निरस्त किया गया? इस प्रकार जिस सीट पर निर्दलीय को निर्विरोध मान लिया गया था वहाँ चुनाव है। इसी काशीपुर निवासी महिला के ग्राम प्रधान चुनाव मामले में कोर्ट ने राहत दी।

चुनाव घमासान में हल्द्वानी से लगे ग्रामीण क्षेत्र आगे हैं। पार्टी से बगावत पर भाजपा ने विभिन्न जिला पंचायत सीटों पर अपने पदाधिकारियों को पार्टी से बाहर कर दिया है। प्रमोद बोरा, लाखन सिंह निगल्टिया पार्टी प्रत्याशी के होते हुए अपनी पत्नी को चुनाव लड़ा रहे हैं इन्हें और विपिन जन्तवाल, तारा भण्डज्ञरी को पार्टी पदों से हटा दिया गया है।

हल्द्वानी-लालकुआ रेलवे भूमि का सीमांकन

अतिक्रमण तो हटना ही है

काशीपुर में भी अभियान

हल्द्वानी। रेलवे स्टेशनों के विस्तारीकरण के लिये हल्द्वानी और लालकुआ रेलवे भूमि का सीमांकन करते हुए सरकार भूमि पर अतिक्रमण हटाया जायेगा। सर्वे पूरा होते ही अतिक्रमण चिन्हित होंगे और इन्हें हटाया जायेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे ने काशीपुर रेलवे भूमि पर भी अतिक्रमण को गम्भीरता से लिया है। इसके लिये प्रशासन को त्वरित संज्ञान लेते हुए सीमांकन कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

इस बीच प्रशासन ने तय किया है कि वह सिर्फ रेलवे भूमि पर ही अतिक्रमण चिन्हित नहीं करेगा बल्कि वन भूमि से भी अतिक्रमण हटाया जाएगा। वन विभाग ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। इसको संज्ञान में रखते हुए प्रशासन की वन अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि वन भूमि पर अतिक्रमण चिन्हित कर बेदखली की कार्यवाही होगी।

गोलज्यू कॉरिडोर से पर्यटन को बढ़ावा

चम्पावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार में 473 करोड़ की लागत से बनने वाले गोलज्यू कॉरिडोर मास्टर प्लान के लिये बैठक हुई। जिसमें डीएम ने कहा कि गोलज्यू कॉरिडोर, डेस्टिनेशन वेडिंग, ओपन एयर थिएटर से पर्यटन के नए आयाम विकसित होंगे और स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध होगा।

डीएम ने कहा कि परियोजना केवल बुनियादी ढांचा नहीं है। यह जिले की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और स्थानीय जीवन शैली को पर्यटन के माध्यम से राज्य और वैश्विक स्तर से जोड़ने का प्रयास है। इस कॉरिडोर को डेस्टिनेशन वेडिंग हब के रूप में विकसित कर देश-विदेश से पर्यटकों को यहाँ विवाह, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए आकर्षित किया जायेगा। इस दौरान एडीएम जयबर्धन शर्मा, एसपीए दिल्ली के विशेषज्ञ भी मौजूद थे।

हाथी कॉरिडोर में चैनलाइजेशन शुरू

हल्द्वानी। वन विभाग ने गौला नदी के हाथी कॉरिडोर में चैनलाइजेशन शुरू कर दिया है। इससे मानसून में बिन्दुखत्ता और सटे हुए इलाकों में बाढ़ का संकट से राहत होगी।

गौला नदी के हाथी कॉरिडोर में खनन नहीं होने से आरबीएम व बोल्डर्स जमा हो गए थे। आम दिनों तो पानी का स्तर नहीं होता है लेकिन मानसून में गौला नदी का जल स्तर में बेहिसाब बढ़ोत्तरी से खतरा रहता है। इस कारण से नदी का जल आरबीएम व बोल्डर से टकरा कर नदी के किनारों पर मार करता है जिससे बिन्दुखत्ता, रावत नगर के लोगों को बाढ़ परेशान करती है। नदी से गांव का भूकटाव होता रहा है और कई बीघा जमीन नदी में समा चुकी है। इन हालातों को देखते हुए वन विभाग ने हाथी कॉरिडोर में चैनलाइजेशन का प्रस्ताव बनाया था जिसे शासन ने मंजूरी दी। इसके बाद विभाग ने कार्य शुरू कर दिया और अब इसके पूरा होने से काफी राहत की सम्भावना है। वन अधिकारियों ने कार्य का निरीक्षण भी किया है।

चुनाव बाद होगी 692 प्रधानाचार्य की भर्ती

देहरादून। प्रदेश के 692 राजकीय इण्टर कालेजों को प्रधानाचार्य मिलने की उम्मीद जारी है। इन पदों के लिए करीब 9 माह से लटकी सीमित विभागीय भर्ती परीक्षा पंचायत चुनाव के बाद कराने की तैयारी है। भर्ती नियमावली की समीक्षा के लिए गठित कमेटी ने नियमावली संशोधन किए बगैर इस पर मुहर लगा दी है, जिससे इस परीक्षा के आयोजन के लिये बाधा नहीं रही। पिछले वर्ष शिक्षा विभाग ने 1385 इण्टर कालेजों में प्रधानाचार्य के 50 प्रतिशत पद विभागीय सीमित भर्ती परीक्षा और 50 प्रतिशत पदोन्नति से भरने का निर्णय लिया था।

बदरीनाथ की गुफाओं में भी ध्यान

गोपेश्वर। केदारनाथ की प्राकृतिक गुफाओं की तरह अब बदरीनाथ की प्राकृतिक गुफाओं में भी साधक ध्यान साधना कर सकेंगे। इसके लिये बामणी गांव में नारायण पर्वत पर दो प्राकृतिक गुफाओं को संवार कर ध्यान केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है।

परिक्रमा

धौलादेवी में क्लस्टर योजना पर रोष

सेराघाट। रा. इण्टर कालेज धौलछीना को कलस्टर विद्यालय में समायोजित किए जाने के प्रस्ताव पर ग्रामीणों और अभिभावकों में रोष्ह है। बैठक के बाद क्षेत्रवासियासें ने इस योजना को खिलवाड़ बताते हुए प्रदर्शन किया। कहा यदि उनके स्कूल को अन्यत्र स्थानान्तरण करने का प्रयास किया तो उग्र आन्दोलन किया जायेगा।

पंचेश्वर तक सड़क निर्माण का अनुरोध

अस्कोट। पाल वंश के राजा भानुराज सिंह पाल ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर टनकपुर-जौलजीबी-पंचेश्वर होते हुए धारचूला को राष्ट्रीय राजमार्ग में जोड़ने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा है कि धारचूला की सीमाएं नेपाल और तिब्बत को जोड़ती हैं और यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। लिखा है कि टनकपुर से धारचूला तक कोई सीधा राजमार्ग न होने के चलते चम्पावत, लोहाघाट और पिथौरागढ़ होते हुए जाना पड़ता है। इसमें 10-12 घण्टे लगते हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अम्बा का दुर्धर्ष.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

अब बताइए, एक नारी का इससे बड़ा अपमान क्या हो सकता है कि उसे इस तरह की तिरस्कृत स्थिति में अकेला छोड़ दिया जाए? इस सारे परिदृश्य में दो ही बातें महत्व की हैं। एक, क्यों नहीं अम्बा ने उस वक्त अपने पिता काशिराज से शाल्व से अपने प्रेम के बारे में बलपूर्वक कहा और बलशाली द्वारा हरेण किए जाने की शर्त से स्वयं को मुक्त करवा लिया? बात तो महत्व की है, पर आप एक सीमा से आगे बल इसलिए नहीं दे सकते, क्योकि अम्बा के मन में अपने पिता से अपने मन की बात न कह पाने का कोई भी कारण हो सकता है। इसलिए अम्बा को संकोच से रह जाने के अलावा दूसरा कोई दोष हम दे ही नहीं सकते।

पर भीष्म ने किया किया और उसके कारण अम्बा को अपमान अनुभव हुआ, उसका पूरा बदला लेने की जैसे ही अम्बा ने ठाल ली तो इस तेजस्वी महिला का असली रूप हमारे सामने आना शुरू होता है। भीष्म को इस पूरी भूमिका में उनके मन में नारी को एक वस्तु मानने का भाव छिपा है, जो अन्यथा भीष्म के स्वभाव से मेल नहीं खाता। ठीक है कि काशिराज की शर्त थी कि जो सबसे शक्तिशाली हो, वह उसकी कन्याओं का हरण कर ले। पर इस शर्त में यह तो आभास कहीं नहीं था कि आप किसी दूसरे के लिए भी अपने बल प्रयोग से कन्याओं का हरण कर सकते हैं। भीष्म यहीं चूक गए। अपने दुर्बल और निर्वीर्य वंशज विचित्रवीर्य के लिये उन्होंने वह काम किया, जो स्वयं विचित्रवीर्य के बस का नहीं था। इसलिए अम्बा का भीष्म से कहना चूँकि उन्होंने उसका हरण किया है, इसलिए वे ही उससे विवाह करें, ठीक था और भीष्म द्वारा इस तर्क को प्रतिज्ञा की दुहाई देकर न मानना यकीनन अम्बा का अपमान था, जो भीष्म के हाथों हुआ। प्रतिज्ञा में बँधे के कारण भीष्म निष्पाप माने जा सकते हैं। काशिराज की प्रतिज्ञा पूरी न कर पाने के कारण शाल्व भी निरपराध माने जा सकते हैं। पर इन सबके कारण अम्बा का जो अपमान हुआ, उसका निराकरण कैसे हो सकता था?

यह काम चूँकि किसी के बस का नहीं रह पाया था, इसलिए अपमानदग्ध अम्ब ने स्वयं ही इसका बदला लेने की ठान ली और अम्बा के चरित्र में यहीं आकर एक ऐसी तेजस्वी महिला जन्म लेती है, जिनकी कोई तुलना दूसरी स्त्री में देख पाना मुश्किल है। अम्बा को अपनी दुरवस्था का कारण एक ही व्यक्ति नजर आया–भीष्म और उसने ठान ली कि वह भीष्म से बदला लेकर रहेगी। यहाँ भी अम्बा ने पहले कोशिश की कि भीष्म को उनसे अधिक बलवान किसी योद्धा से पराजित करवाकर अपने स्वाभिमान की रक्षा की जाए। इसलिए अम्बा ने परशुराम से प्रार्थना की और प्रार्थना से द्रवित परशुराम ने भीष्म से संघर्ष किया। पहले अनुरोध किया कि भीष्म अम्बा से विवाह करें। भीष्म ने फिर से प्रतिज्ञा की दुहाई दी तो फिर परशुराम ने भीष्म से प्रबल युद्ध किया। पर जैसे भीष्म की प्रतिज्ञा से डिगाना आसान नहीं था, वैसे ही युद्ध में हराना कहाँ आसान था? इसलिए जब अम्ब परशुराम के हाथों भीष्म को पराजित नहीं करवा सकी तो फिर महाभारतकार कहते हैं कि अम्बा ने कठोर तप कर अपना लक्ष्य पाने का प्रयास किया।

हमारे देश में तपस्या का भी एक विचित्र आभामण्डल बन गया है। जिस व्यक्ति ने संकल्पपूर्वक स्वयं को किसी लक्ष्य से जोड़ लिया और इससे अपनी मेधा और कर्म की पूरी शक्ति लगा दी, उसे हमने तपस्या माना और फिर उसे एक खास आभामण्डल देने के लिए उसे किसी देवता की उपासना और उस देवता से मिले वरदान से भी जोड़ दिया। अम्बा की तपस्या से प्रसन्न होकर शंकर ने उसे वरदान दिया कि इस जन्म में तो नहीं, पर अगले जन्म में वह शिखण्डी बन कर भीष्म का वध करेगी, तो इस वरदान को उसी सन्दर्भ में समझ लेने में क्या हर्ज है? चूँकि कोई हर्ज नहीं, इसलिए सन्देश यह है कि अम्बा ने भीष्म के हाथों अपने साथ हुए अन्याय को आजीवन स्वीकार नहीं किया और उसके प्रतिकार के लिए वह तेजस्विनी आजीवन संघर्षरत रही। अम्बा ही शिखण्डी बनी, ऐसा मानने में किसी को संकोच हो तो क्या अम्बा के साथ–साथ हम कथाकार व्यास को भी एक सम्मान नहीं चाहेंगे? अम्ब का सम्मान तो यह है कि उसने अपने संकल्प को आजीवन अपनी धुन बनाए रखा और कथाकार व्यास का सम्मान इसलिए कि उन्होंने इस दुर्धर्ष और अपराजेय नारी के संकल्प को जन्म–जन्मान्तर का विषय बनाकर उसे और भी ज्यादा गतिशील बना दिया। अम्ब ही शिखण्डी थी, इसे मानने या न मानने को हममे से प्रत्येक स्वतंत्र है। पर अम्बा ही शिखण्डी थी, यह बताकर व्यास ने अपना इरादा जाहिर कर दिया है कि अम्ब की तरह वे भी न केवल भीष्म को उनके द्वारा किए गए अन्याय के लिए माफ नहीं करते, बल्कि भीष्म को दण्ड देने में वे अम्बा से भी एक कदम आगे हैं।

(साभार नवभारत टाइम्स)

नन्दादेवी पर्वत पर शुरू होगा पर्वतारोहण, पंजीकरण भी प्रक्रिया सरल होगी

देहरादून। साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये लगभग चार दशक बाद नन्दादेवी पर्वत को पर्वतारोहण के लिये खोलने की तैयार है। भारतीय पर्वतारोहण फाउण्डेशन पर्यटन व वन विभाग इसके लिये लिये प्रस्ताव तैयार कर रहा है। साथ ही ट्रैकिंग के लिये पंजीकरण की प्रक्रिया सरल होने की बात कही जा रही है। पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में साहसिक पर्यटन व पर्वतारोहण विस्तार पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य वन संरक्षक पी.के.पात्रो, भारतीय पर्वतारोहण फाउंडेशन के निदेशक कर्नल मदन गुरूंग, सचिव कीर्ति पायस, अपर मुख्य कार्यकारी अधि कारी डॉ. पूजा गर्ब्याल, टीटीएफ के संस्थापक राकेश पन्त आदि थे।

बैठक में वन विभाग ने एकीकृत एकल खिड़ी पोर्टल की जानकारी दी। प्रदेश के विभिन्न ट्रकों पर ट्रैकिंग के लिये पोर्टल पर काम चल रहा है। इसमें पंजीकरण की प्रक्रिया को आसान बनाया जा रहा है।

कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया जारी और छात्र नेता सक्रिय

उत्तराखण्ड उच्चशिक्षा में इन दिनों प्रवेश प्रक्रिया जारी है और छात्र नेता सक्रिय हो चुके हैं। समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण के बाद विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों ने मैरिट सूची लगा दी थी और प्रवेश के लिये छात्र–छात्राएं आने लगे हैं। इण्टर पास कर उच्चशिक्षा के लिये प्रवेश लेने वालों की संख्या में गिरावट देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि जगह–जगह खुल गये कालेजों में गत वर्षों की तुलना में कम संख्या में पंजीकरण हुआ है। फिलहाल छात्र संघ चुनाव के लिये जुटे नेता तो अड़े ही हैं।

एवरेस्ट विजेता मनीष कसनियाल का सम्मान

पिथौरागढ़। यूथ पॉवर एसोसिएशन ने एवरेस्ट विजेता मनीष कसनियाल को उत्तराखण्ड रत्न से सम्मानित किया। नगर के कसानी गांव के रहने वाले मनीष ने कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

दीपिका टोलिया को उत्तराखण्ड रत्न सम्मान

डीडीहाट। दीपकि टोलिया को पर्वतारोहण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये उत्तराखण्ड रत्न सम्मान मिला है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में नेशनल यूथ पॉवर एसोसिएशन ने उन्हें यह सम्मान दिया।

रंगकर्मी जहूर जसमं के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नैनीताल। जन संस्कृति मंच के 17 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में रंगकर्मी जहूर आलम को राष्ट्रीय अध्यक्ष व मनोज सिंह को तीसरी बार महासचिव चुना गया। युगमंच के संस्थापक जहूर आलम के अध्यक्ष बनने पर क्षेत्रवासियों व कलाकारों ने उन्हें बधाई दी।

खटीमा के रामरतन को कला गुरु सम्मान

खटीमा। संस्कार भारती कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था द्वारा बरेली में नटराजन पूजन समारोह में रामरतन यादव को साहित्य क्षेत्र के लिये कला गुरु सम्मान दिया गया।

व्यापारी दिवाकर साह का निधन

गंगोलीहाट। युवा व्यापारी दिवाकर साह का असमय निधन हो गया है। 42 वर्षीय दिवाकर कुछ दिनों से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था। पिघलता हिमालय परिवार स्व.दिवाकर को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

कुंती देवी और नातिन दीया को श्रद्धांजलि

मुनस्यारी। धापा गांव में जंगली मशरूम खाने से बीमार हुई नानी और नातिन की मौत ने सबको झकझोर दिया है। 70 वर्षीय कुन्ती देवी और उनकी नातिन दीया के बीमार होने पर मुनस्यारी फिर पिथौरागढ़ और फिर हल्द्वानी अस्पताल तक ले जाया गया लेकिन दोनों का निधन हो गया। पिघलता हिमालय परिवार कुन्ती देवी और दीया को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना है कि चिकित्सा व्यवस्था दूरस्थ इलाकों तक दुरुस्त करवा दे ताकि परेशान लोगों को उचित इलाज मिल सके।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान मो.– 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
फोन सम्पर्क–
05961–222236
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बरफाल कल्याण समिति की बैठक में सामाजिक उत्थान के लिये एकजुटता पर बल

हल्द्वानी। बरफाल कल्याण समिति की बैठक में सामाजिक उत्थान के लिये एकजुटता पर बल दिया गया। समिति के पदाधिकारियों द्वारा समयान्तराल बाद होने वाली बैठक के क्रम में यह आयोजन जंगल रिजॉर्ट में किया गया। जिसमें समिति के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर भागीदारी की। कोषाध्यक्ष द्वारा समिति के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत कर सभी को अवगत कराया गया, जिसे सभा द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया। सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया कि विभिन्न मदों की लेखा-जोखा को पृथक-पृथक ही रखने में सुविधा होती है। अध्यक्ष द्वारा वर्ष 2025 के लिए सदस्यता नवीनीकरण के बारे में अवगत कराया गया। इसके अलावा अन्य बिन्दुओं पर चर्चा हुई।

बैठक के उपरान्त सामुहिक भोज व रिजॉर्ट व वन भ्रमण करते हुए मनोरंजन किया। इस अवसर पर प्रहलाद सिंह, नारायण सिंह, बेणी सिंह, सुन्दर सिंह, प्रेम सिंह, रमेश सिंह, राजेन्द्र सिंह, भगवान सिंह, राकेश सिंह, हेमन्त सिंह, भूपाल सिंह, लवराज सिंह, मुकेश सिंह, प्रतिमन सिंह आदि थे। कार्यक्रम के अन्त मे अध्यक्ष द्वारा सभी का आभार प्रकट करते हुए उम्मीद जताई की सभी लोग आगामी आयोजनों के लिये अग्रणीय भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि बरफाल कल्याण समिति द्वारा जन कल्याण के कार्यों के साथ ही अपनी लोक परम्पराओं के संरक्षण की दिशा में शुरू से ही कार्य किये जा रहे हैं। अपने इतिहास, भूगोल को जानने के लिये, नई पीढ़ी को जोड़ने के लिये, शैक्षणिक गतिविधियों के लिये निरन्तर आयोजन किये जाते रहे हैं।

सावन मास के पवित्र दिनों में भोलेनाथ की कृपा बनी रहे। हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

ललित ज्वैलर्स
स्टेट बैंक के निकट
बेरीनाग
प्रो. ललित वर्मा

हिमांशु आगरी
प्रधान चौखुना
हेमू रेडिमेट एण्ड कॉस्मेटिक सेन्टर
राईआगर, बेरीनाग

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION || LIVE MUSIC || HOMELY FOOD || BIRTHDAY WEDDING
मो.- 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

राजेन्द्र सिंह टोलिया
(स्व. जगत सिंह टोलिया)
जोहार नगर
हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

श्रीमती विनीता बुर्फाल
11 गौरीकमला इंक्लेब
नन्दपुर
पो.कठघरिया, हल्द्वानी

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)